लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

चैत्र शुक्ल पक्ष त्रयोदशी विक्रम संवत 2081

अमृत विचार

वर्ष 5, अंक 154, पृष्ठ 16+4, मूल्यः 6 रुपये

एक सम्पूर्ण अखबार

बरेली, रविवार, 21 अप्रैल 2024

PAGE NO 5 : BOTTOM LEFT

बीमारी फैलाने वाले परजीवियों से बचाव बेहद जरूरी

बरेली, अमृत विचार : जीवन शैली संबंधी बीमारियां ज्यादातर लोगों को अपनी चपेट में ले रही हैं, लेकिन खून में रह कर बीमारी फैलाने वाले बैक्टीरिया, वायरस माइकोप्लाज्मा, प्रोटोजोआ जैसे हीमोपैरासाइट्स की अनदेखी से भी मरने वालों की संख्या कम नहीं है। साधारण सा समझा जाने वाला मलेरिया, टाइफाइड, टीबी से लेकर महामारी बनने वाला कोरोना सब इन्हीं सूक्ष्मजीवों का परिणाम है। यह निष्कर्ष एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय इंडियन एकेडमी आफ ट्रोपिकल पैरासायटोलाजी (आईएटीपी) की पांचवीं स्टेट कांफ्रेंस यूपी-यूके ट्रोपिकान में निकल कर सामने आया। इस मौके पर बैक्टीरिया, माइकोप्लाज्मा, प्रोटोजोआ जैसे खून में रहने वाले परजीवियों पर माइक्रोबायोलाजिस्ट ने व्याख्यान दिया। उद्घाटन सत्र में एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति ने कहा कि सूक्ष्मजीवों से बीमारियां कितनी खतरनाक हो सकती हैं, इसकी जानकारी कोविड महामारी से सभी हो गई है। इस महामारी के दौरान ही माइक्रोबायोलाजी का महत्व भी सामने आया है, लेकिन अभी भी हम सब सूक्ष्म जीवों से होने वाली बीमारियों को ज्यादा गंभीरता से नहीं लेते हैं। इंडियन एकेडमी आफ ट्रोपिकल पैरासायटोलाजी (आईएटीपी) के यूपी-यूके चैप्टर की प्रेसिडेंट और एम्स कल्याणी की प्रो. उज्जला घोषाल ने संस्था के कार्यों की जानकारी दी। सेक्रेटरी और आरएमएल लखनऊ के प्रो. मनोदीप सेन ने कांफ्रेंस को समय की जरूरत बताया। प्रिंसिपल डॉ. एमएल बुटोला, डा.जसप्रीत कौर, डा. मुत्थु महेश्वरी, डॉ.आरपी सिंह, डा. नीलिमा मेहरोत्रा, डॉ.क्रांति कुमार, डा.पियूष कुमार, डॉ.ललित सिंह आदि मौजूद रहे।